इंदौर में एशियन वाटरबर्ड सेंसस शुरू

- आज और की जाएगी जल पक्षियों की वैज्ञानिक गणना

नव भारत न्यूज

इंदौर. एशियन वाटरबर्ड सेंसस 2026 की शुरुआत शनिवार से इंदौर जिले में हो गई है. यह सर्वे शनिवार और रविवार को दो दिन चलेगा, जिसमें जिले की प्रमुख आर्द्रभूमियों पर जल पक्षियों की वैज्ञानिक गणना की जाएगी.

डीएफओ प्रदिप मिश्रा ने बताया कि शनिवार और रविवार को इंदौर जिले की 20 से अधिक झीलों, तालाबों, जलाशयों और नदी किनारे क्षेत्रों में सर्वे किया जा रहा है. आज सुबह से ही वन विभाग के कर्मचारी और प्रशिक्षित पक्षी प्रेमी तय टीमों में अपने-अपने चिन्हित वेटलैंड पर पहुंचे. प्रत्येक टीम को अलग अलग स्थान आवंटित किए गए हैं, ताकि गिनती में दोहराव न हो और आंकड़े सटीक रहें. सर्वे के दौरान जल पक्षियों की पहचान और संख्या दर्ज की जा रही है. सभी रिकॉर्ड ईबर्ड मोबाइल ऐप पर अपलोड किए जा रहे हैं, जिससे स्थान, समय और तारीख के साथ डेटा सुरक्षित हो सके. इसके साथ ही आर्द्रभूमि मूल्यांकन फॉर्म भी भरा जा रहा है, जिसमें पानी की स्थिति, जलकुंभी, वनस्पति, प्रदूषण और मानवीय गतिविधियों से जुड़े दबावों का उल्लेख किया जा रहा है.

वेटलैंड की सेहत के महत्वपूर्ण संकेतक

मिश्रा ने यह भी बताया कि जल पक्षी वेटलैंड की सेहत के महत्वपूर्ण संकेतक होते हैं. पक्षियों की संख्या और प्रजातियों के आधार पर पानी की गुणवत्ता और आवास की स्थिति का आकलन किया जाएगा. सिरपुर झील सहित कुछ क्षेत्रों में खुले पानी का क्षेत्र कम होने जैसे मुद्दे भी सर्वे में दर्ज किए जा रहे हैं. वन मंडलाधिकारी का कहना है कि इंदौर एशियन वाटरबर्ड सेंसस के लिए पूरी तरह तैयार है. कल रविवार को दूसरे दिन भी शेष चिन्हित स्थलों पर सर्वे जारी रहेगा, जिसके बाद संकलित आंकड़ों का विश्लेषण कर रिपोर्ट तैयार की जाएगी.

चाइनीज मांझे के सौदागर को किया जिलाबदर

- तीन महीने तक इंदौर और आसपास के जिलों में एंट्री बैन

नव भारत न्यूज

इंदौर. आपराधिक गतिविधियों और प्रतिबंधित चाइनीज मांझे के धंधे में लंबे समय से सक्रिय एक शातिर बदमाश पर आखिरकार पुलिस ने शिकंजा कस दिया. पुलिस आयुक्त के आदेश पर आरोपी को इंदौर शहर और सीमावर्ती जिलों से तीन महीने के लिए बाहर कर दिया है

एमजी रोड थाना क्षेत्र के मेवाती मोहल्ला निवासी 25 वर्षीय समीर पिता शफीक मेव पर चाइनीज मांझे के अवैध क्रय-विक्रय और भंडारण के साथ अन्य आपराधिक गतिविधियों में लिप्त रहने के गंभीर आरोप थे. लगातार शिकायतों और रिकॉर्ड में दर्ज मामलों के बाद पुलिस आयुक्त नगरीय ने उसके खिलाफ कार्रवाई करते हुए जिलाबदर का आदेश जारी किया. जारी आदेश के अनुसार समीर मेव को तीन माह की अवधि के लिए जिला इंदौर (नगरीय व देहात) के साथ-साथ उससे लगे सीमावर्ती जिलों की सीमाओं में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाया है. आदेश का उल्लंघन करने पर आरोपी के खिलाफ कड़ी कानूनी कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है. आदेश जारी होने के बाद एमजी रोड थाना पुलिस ने इलाके में लाउड स्पीकर के जरिए जिलाबदर आदेश सार्वजनिक रूप से पढ़कर सुनाया.

कंटेनर ने बाइक को रौंदा, युवक-युवती के ऊपर से निकला वाहन

- कनाड़िया क्षेत्र में हुआ हादसा, वीडियो वायरल
- बाल-बाल बच गए युवक और युवती

नव भारत न्यूज

इंदौर. कनाड़िया इलाके में एक कंटेनर चालक की लापरवाही कैमरे में कैद हो गई. तेज और अचानक मोड़ लेते कंटेनर ने बाइक को टक्कर मारी और बाइक सवार युवक- युवती के ऊपर से निकल गया. हैरानी की बात यह रही कि दोनों की जान बच गई. घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है.

वायरल वीडियो स्कीम नंबर 140 क्षेत्र का बताया जा रहा है. शुक्रवार रात हुए इस हादसे में कंटेनर चालक ने अचानक टर्न लिया, तभी पास से गुजर रही बाइक उसकी चपेट में आ गई. टक्कर इतनी जोरदार थी कि कंटेनर ने बाइक को पूरी तरह रौंद दिया और युवक-युवती उसके नीचे आ गए. कुछ पल के लिए मौके पर मौजूद लोगों की सांसें थम गईं, लेकिन सौभाग्य से दोनों बाइक सवार बाल-बाल बच गए. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची.

चालक पुलिस हिरासत में, टैंकर किया जब्त

एडिशनल डीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि कंटेनर चालक को हिरासत में ले लिया है और वाहन को जब्त किया है. प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हादसे में युवक युवती को गंभीर चोट नहीं आई है, हालांकि उन्हें प्राथमिक जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया. एडीसीपी का कहना है कि वायरल वीडियो के आधार पर पूरे मामले की जांच की जा रही है. लापरवाही से वाहन चलाने और जान जोखिम में डालने के आरोप में चालक के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की जाएगी.

एक नजर में

साहित्यिक जगत में शिवना सम्मानों की गूंज

इंदौर. नए वर्ष की ऊर्जा और साहित्यिक उल्लास के बीच शिवना प्रकाशन द्वारा वर्ष 2025 के प्रतिष्ठित सम्मानों की घोषणा कर दी गई है. इस वर्ष का प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय शिवना सम्मान वरिष्ठ कवि और लेखक लीलाधर मंडलोई को उनकी चर्चित आत्मकथा जब से आँख खुली है के लिए दिया जाएगा. शिवना कृति सम्मान 2025 के लिए इस बार दो लेखकों का चयन किया गया है. यह सम्मान साझा रूप से प्रदान किया जाएगा. इसमें मुकेश नेमा को उनकी कृति इत्तू सी इरा के लिए और स्मृति आदित्य को उनकी कृति अब मैं बोलूँगी के लिए दिया जाएगा. पुरस्कारों की घोषणा के दौरान साहित्य जगत की प्रमुख हस्तियाँ मौजूद रहीं जिनमें सुधा ओम ढींगरा, मनीषा कुलश्रेष्ठ, यतीन्द्र मिश्र, पंकज सुबीर और आकाश माथुर शामिल थे. शिवना प्रकाशन के प्रबंधक शहरयार खान और पंखुरी पुरोहित ने बताया कि इन सभी सम्मानित लेखकों को आगामी 28 फरवरी और 1 मार्च को आयोजित होने वाले शिवना साहित्य समागम में सम्मानित किया जाएगा.

बुजुर्गों के लिए हॉट एयर ब्लोअर दान किए

इंदौर. पंजाबी महिला विकास समिति द्वारा आस्था वृद्धजन सेवा आश्रम में सेवा कार्य किया गया. सदस्यों ने सर्दियों में बुजुर्गों के लिए नए हॉट एयर ब्लोअर दान किए. इसके साथ ही आश्रम में रह रहे सभी बुजुर्गों के लिए नए ऊनी कपड़े, कंबल, बिस्किट एवं अन्य खाद्य सामग्री भी प्रदान की गई. समिति की अध्यक्ष अंजू शर्मा ने बताया कि हमारे सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह और लगन के साथ योगदान दिया और एक टीम के रूप में कार्य किया. संरक्षिका वीणा सॉहनी ने कहा कि भविष्य में भी हम बुजुर्गों के लिए सेवा कार्य करते रहेंगे. सचिव स्वीटी टुटेजा ने सेवा कार्य हेतु सदस्यों के साथ समन्वय किया. निशी गंभीर ने सभी सदस्यों को उनके योगदान के लिए धन्यवाद दिया. सेवा कार्य में सदस्य रानी खनुजा, रूबी शीतल, मनबीर नरंग, इदूं नागपाल, सुनीता तनेजा, रश्मि नसवा, दिव्या चुग, पल्लवी सेठ, दलजीत सूदन, गुरजीत ढिल्लन, सुमन सूद एवं सोनिया पंजाबी की विशेष भूमिका रही.

मैकडॉवेल्स एक्स-सीरीज ने विजेताओं की घोषणा की

इंदौर. मैकडॉवेल्स एक्स-सीरीज़ ने 'एक्स मास्टर्स' के पहले एडिशन के विजेताओं की घोषणा की है। 'एक्स मास्टर्स' एक नेशनल बारटेंडिंग प्लेटफॉर्म है, जिसे भारत के मेट्रो सिटीज़ से बाहर के उभरते टैलेंट्स को डियाजियो वर्ल्ड क्लास इकोसिस्टम से जोड़ने के लिए बनाया गया है. मैकडॉवेल्स एक्स-सीरीज़ द्वारा निर्मित और डियाजियो बार एकेडमी के सहयोग से संचालित होने वाली इस अनोखी पहल के अंतर्गत लर्निंग, मेंटरशिप और लाइव कॉम्पिटिशन को साथ लाया गया है, जिससे लोकल बार्स के टैलेंट को नेशनल और ग्लोबल स्टेज तक जाने का रास्ता तैयार किया जा सके. डियाजियो इंडिया की वाइस प्रेसिडेंट- कस्टमर मार्केटिंग, आंचल कौशल ने कहा शानदार टैलेंट्स केवल मेट्रोज़ तक सीमित नहीं है. एक्स मास्टर्स जैसे प्लेटफॉर्म्स के माध्यम से हम ऐसे टैलेंट्स को पहचानने, संवारने और वर्ल्ड क्लास जैसे बड़े प्लेटफॉर्म पर चुनौती पेश करने का अवसर तैयार कर रहे हैं.

पुलिस ने गुम हुए 326 मोबाइल ट्रेस कर लौटाए

- पुलिस ने लोगों को दिया नए साल का तोहफा
- बरामद मोबाइलों की कीमत करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए

नव भारत न्यूज

इंदौर. मोबाइल गुम होने के बाद ज्यादातर लोग उसके मिलने की उम्मीद छोड़ देते हैं, लेकिन इंदौर में 326 लोगों के लिए नया साल राहत लेकर आया. क्राइम ब्रांच ने सिटीजन कॉप ऐप पर दर्ज शिकायतों की पड़ताल करते हुए ऐसे मोबाइल ट्रेस किए, जो इंदौर और प्रदेश ही नहीं, बल्कि दूसरे राज्यों तक पहुंच चुके थे. करीब सवा करोड़ रुपए कीमत के ये फोन आखिरकार पुलिस ने उनके असली मालिकों को लौटा दिए.

क्राइम ब्रांच की साइबर सेल ने बीते साल दर्ज हुई गुम मोबाइल शिकायतों को एक-एक कर खंगाला. तकनीकी जांच में सामने आया कि कई मोबाइल मध्यप्रदेश के बाहर भी चल रहे थे. लोकेशन और नेटवर्क डिटेल के आधार पर टीम ने उत्तर प्रदेश, गुजरात, राजस्थान और महाराष्ट्र तक पहुंच बनाकर मोबाइल बरामद किए. पुलिस सूत्र बताते हैं कि इनमें से कई फोन चोरी के बाद तुरंत दूसरे शहरों में खपाए गए थे, ताकि ट्रेस न हो सकें.

बरामद किए गए मोबाइलों में कई महंगे ब्रांड भी

बरामद मोबाइल में आईफोन, वन प्लस, सैमसंग, रेडमी, वीवो, ओप्पो और रियलमी जैसे महंगे ब्रांड शामिल हैं. सबसे ज्यादा वीवो और ओप्पो कंपनी के मोबाइल मिले हैं. बरामद किए गए कुल 326 फोन की कीमत करीब 1 करोड़ 20 लाख रुपए आंकी गई है. कई पीड़ित ऐसे भी थे, जिनका मोबाइल महीनों पहले गुम हो चुका था और उन्हें वापस मिलने की उम्मीद तक नहीं थी. जांच के दौरान यह भी सामने आया कि सिटीजन कॉप ऐप पर दर्ज शिकायतें सीधे साइबर सेल तक पहुंचने से समय की बचत हुई. मोबाइल गुम होने के बाद जिन मामलों में तुरंत ऑनलाइन शिकायत की गई, उनमें ट्रेस होने की संभावना ज्यादा रही. वहीं जिन मोबाइल का इस्तेमाल बंद कर दिया या जो खराब हो गए, वे अब भी सिस्टम से बाहर हैं

मोबाइल चोरी में बाहर की गैंग ज्यादा सक्रिय

पुलिस के अनुसार, गुम मोबाइल की ऑनलाइन शिकायतों में लगातार इजाफा हो रहा है. वजह साफ है थाने के चक्कर लगाए बिना शिकायत दर्ज हो जाती है और शिकायत क्रमांक के आधार पर सिम ब्लॉक कराने या नई सिम लेने में भी आसानी होती है. क्राइम ब्रांच डीसीपी राजेश त्रिपाठी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में दावा किया कि यह कार्रवाई सिर्फ मोबाइल लौटाने तक सीमित नहीं है. इससे यह भी साफ हुआ है कि शहर में मोबाइल चोरी के पीछे बाहर की गैंग ज्यादा सक्रिय हैं, जो चोरी के बाद फोन तुरंत दूसरे जिलों या राज्यों में भेज देती हैं.

दो लाख रुपए कीमत की 20 ग्राम एमडी के साथ तीन को पकड़ा

- आरोपियों में एक महिला तस्कर भी शामिल
- आरोपियों ने स्विफ्ट कार से भागने की कोशिश की

नव भारत न्यूज

इंदौर. शहर में नशे के सौदागर अब खुलेआम सड़कों पर खेप लेकर घूम रहे हैं. क्राइम ब्रांच ने स्कीम नंबर-134 इलाके में दबिश देकर एमडी ड्रग्स के साथ दो युवक और एक महिला को रंगे हाथों पकड़ा. पुलिस को देखकर आरोपी बिना नंबर प्लेट की कार से भागने लगे, लेकिन घेराबंदी में फंस गए.

एडीसीपी राजेश दंडोतिया ने बताया कि क्राइम ब्रांच को सूचना मिली थी कि स्कीम नंबर 134, पानी की टंकी के पास संदिग्ध लोग नशीला पदार्थ लेकर खड़े हैं. टीम मौके पर पहुंची तो सड़क किनारे एक सफेद स्विफ्ट कार खड़ी दिखी, जिस पर नंबर प्लेट नहीं थी. पुलिस वाहन देखते ही कार में बैठे लोग तेजी से भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर कार को रोक लिया. तलाशी में कार सवार दो पुरुष और एक महिला के पास से करीब 20.35 ग्राम अवैध मादक पदार्थ एमडी बरामद हुआ. पूछताछ में पकड़े गए आरोपियों ने अपने नाम इरफान शेख निवासी एमआईजी कॉलोनी और सरफराज खान निवासी खजराना बताए. तीसरी आरोपी एक महिला है. तीनों ड्राइवरी का काम करते हैं और पढ़ाई दसवीं तक ही की है. जब्त एमडी की कीमत बाजार में करीब दो लाख रुपए से ज्यादा बताई जा रही है.

एमडी ड्रग्स के साथ बिना नंबर प्लेट की कार भी जब्त

एडीसीपी ने बताया कि मौके से एमडी ड्रग्स के साथ बिना नंबर प्लेट की स्विफ्ट कार भी जब्त की गई है. प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने कबूल किया कि वे सस्ते दामों पर नशीला पदार्थ खरीदकर शहर में नशे के आदी लोगों को महंगे दामों पर बेचते थे. पुलिस को शक है कि ये लोग लंबे समय से शहर में सप्लाई कर रहे थे. क्राइम ब्रांच ने तीनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा के तहत अपराध दर्ज कर लिया है.

बिना पुलिस को सूचना दिए मैकडोनल्ड्स में काम कर रहे थे कर्मचारी

- देर रात जांच के बाद दो लोगों के खिलाफ केस दर्ज

इंदौर. विजयनगर क्षेत्र में पुलिस द्वारा की गई देर रात जांच के दौरान होटल प्रतिष्ठान में आवश्यक दस्तावेज नहीं मिलने पर दो लोगों के खिलाफ प्रकरण दर्ज किया है.

एसआई अर्जुन सिंह परिहार ने बताया कि 2 जनवरी को रात करीब 12.45 से 1.15 बजे के बीच मंगल सिटी स्थित मैकडोनल्ड्स परिसर में जांच की गई. इस दौरान प्रतिष्ठान से गुमास्ता लाइसेंस, कर्मचारियों की जानकारी और उनके चरित्र सत्यापन से जुड़े दस्तावेज मांगे. मौके पर मौजूद 35 वर्षीय मंशाराम मुवेल, निवासी भायली सतवास थाना कांटाफोड़ जिला देवास, हाल मुकाम मूसाखेड़ी इंदौर और 35 वर्षीय राकेश नोरगे, निवासी ग्राम मालपुर थाना ढही जिला धार, हाल मुकाम मेघदूत नगर इंदौर दस्तावेज प्रस्तुत नहीं कर पाए. मामले में विजयनगर थाने में दोनों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर आगे की जांच की जा रही है.